ज्ञानोदय प्रभा

नवम्बर २०२३
अंक २१

सम्पादकीय

जलाओ दिए पर .....

मित्रों अभी हम सब ने दीपावली बड़े ही धूमधाम से मनाई | दीपावली, खुशियों भरी दीपावली, रंग बिरंगे दीपों की रोशनी से जगमग घर, आंगन, द्वार; मिठाईयों की महक की मधुरता लिए दीपावली | नए वस्त्रों से अपनों को सुसज्जित करती दीपावली | सचमुच हमारे लिए कितना सुखद एहसास लिए यह त्योहार आता है | हम घर से कितने ही दूर हों, पर वर्ष में एक बार इस दीपावली के बहाने से ही सही अपने घर आ जाते हैं और अपनों से मिलने एक साथ त्योहार मनाने का यह अवसर हम कभी नहीं चूकते | अन्यथा जीवोपार्जन के लिए घर से दूर रहकर अपनों से मिलना कम ही हो पाता है | त्योहार हमें एक साथ मिलने, परस्पर आत्मीयता एवं अपनत्व को दर्शाने का एक बहुमूल्य अवसर प्रदान करते हैं |

वास्तव में त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक अहम् हिस्सा हैं, इनके बगैर हमारा जीवन अधूरा है | त्योहार ही हमारे समाज को एकसूत्र में बांधने में सहायक होते हैं | दीपावली पर हम अपने घर को दिए से रोशन करते हैं, मिठाइयाँ खाते हैं | नए वस्त्र पहनते हैं | पटाखे फोड़ते हैं, बढ़िया - मधुर पकवानों का लुत्फ़ उठाते हैं | परन्तु इस हर्सोल्लास में कहीं न कहीं हम उन लोगों को नज़रंदाज़ कर देते हैं, जो गरीबी के कारण अपना घर रोशन नहीं कर सके | हमारा भी यह कर्तव्य बनता है कि हम उनका घर रोशन करें, उनके घर में भी एक दिया जला दें, उनके घर पर भी एक मिठाई का डिब्बा पहुंचा दें | उनके चहरे पर भी ख़ुशी ला दें | क्या यह इतना मुश्किल है ? मुझे लगता है कि यह मुश्किल कार्य नहीं है और हम यह प्रयास कर सकते हैं | आइए हम शपथ लें कि दिए तो हम जलाएंगे, पर यह भी ध्यान रखेंगे कि कहीं पर अँधेरा रह न जाए | हम भी खुश रहेंगे और दूसरों को भी अपनी खुशी में शामिल करेंगे तभी यह त्योहार मनाना सार्थक होगा | कवि गोपाल दास नीरज ने ठीक ही लिखा है -

जलाओ दिए पर, रहे ध्यान इतना |
अँधेरा धरा पर, कहीं रह न जाए ||

बहुत बहुत शुभकामनाएँ |

<u>सुर्ख़ियों में</u>

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय को मिला उत्कृष्टता सम्मान

ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्यालय खुरई को कॉलेज दुनिया एक्सीलेंस कनेक्ट 3.0 एक्सीलेंस अवार्ड्स में वर्ष के नंबर 1 उभरते स्कूल के रूप में सम्मानित किया गया।

स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्कूल, ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्यालय खुरई ने एक बार फिर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। 24 नवंबर, 2023 को, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित ताज पैलेस में, कॉलेज दुनिया एक्सीलेंस कनेक्ट 3.0 एक्सीलेंस अवार्ड्स का आयोजन हुआ, इस भव्य कार्यक्रम में पूरे भारत के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों और स्कूलों के 600 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कॉलेज दुनिया एक्सीलेंस कनेक्ट 3.0 एक्सीलेंस अवार्ड्स शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं| यह पुरस्कार उन शैक्षणिक संस्थानों को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करते हैं जो अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने में आगे रहते हैं। ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्यालय खुरई को वर्ष के नंबर 1 उभरते स्कूल के रूप में मान्यता दी गई।

यह सम्मान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और सर्वोत्तम शैक्षिक गातिविधियों को लागू करने के लिए स्कूल के अटूट समर्पण का एक प्रमाण है। यह मान्यता खुरई, सागर और राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में स्कूल की स्थिति को दर्शाती है।

स्कूल का दर्शन, आदर्श वाक्य "एक्टा नॉन वर्बा - शब्द नहीं कर्म" में समाहित है, जो विद्यालय की शैक्षिक यात्रा में ठोस कार्यों के महत्व पर जोर देता है। यही कारण है कि ज्ञानोदय विद्यालय केवल प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश और विश्व में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है | विद्यालय प्रबंधन के सहयोग एवं प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ला के कुशल नेतृत्व में विद्यालय नित नए प्रतिमान गढ़ रहा है | विद्यालय की तरफ़ से शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री त्रिलोक सिंह इस अवार्ड को प्राप्त करने के लिए होटल ताज पैलेस, दिल्ली में आयोजित इस समारोह में सम्मिलित हुए|

नवंबर माह की गतिविधियाँ

धूमधाम से मना ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय का वार्षिकोत्सव

दिनाँक 8 नवंबर 2023, मंगलवार को खुरई, सागर स्थित ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय में वार्षिक उत्सव हर वर्ष की तरह बड़े धूमधाम से मनाया गया|
कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि श्री आशीष कुमार शुक्ला अतिरिक्त सत्र जिला न्यायाधीश का विद्यालय के चेयरमैन श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिनव शुक्ला ने विद्यालय के चेयरमैन श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया| कार्यक्रम में विद्यालय के अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद थे जिनका विद्यालय के शिक्षक श्री दिवाकर ने शॉल उढ़ाकर एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया|

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप् प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ | वार्षिक समारोह के इस भव्य कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी अनुपम प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया, जिसमें फ़िल्मी गीत, नाटक, कव्वाली, नृत्य आदि प्रमुख कार्यक्रम थे|

जहाँ एक ओर विद्यार्थियों द्वारा पुराने मधुर फ़िल्मी गीतों की प्रस्तुति ने सबको मदहोश कर दिया, वहीं दूसरी ओर अद्वितीय भारत के विभिन्न राज्यों की सोंधी माटी की खुशबू से महकते लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति ने समां बाँध दिया और दर्शकों के पैर थिरकने पर मजबूर कर दिया|

एक अन्य कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा 'इत्ती सी ख़ुशी' गीत पर एक नृत्य प्रस्तुति ने लोगों को बरबस झूमने पर मजबूर कर दिया | नन्हें मुन्ने बच्चों की मासूमियत भरी प्रस्तुति देखते ही बनती थी | कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने एक व्यंग्य नाटिका 'भोलाराम का जीव' का भी प्रभावपूर्ण मंचन कर अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया | कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक कव्वाली को भी प्रस्तुत किया गया जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया|

इसी श्रृंखला में विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ला ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और विद्यालय की उल्लेखनीय प्रगति से सबको अवगत कराया | कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री आशीष कुमार शुक्ला ने अपने उद्बोधन द्वारा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम को सराहा | इसके साथ ही चेयरमैन श्री श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ ने भी अपने उद्बोधन द्वारा प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया|

हिंदी, कला एवं विज्ञानं प्रदर्शनी

ज्ञानोदय विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अंतर्गत ही ७ और ८ नवंबर को विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य एवं उत्कृष्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया | इस प्रदर्शनी में हिंदी, विज्ञान और कला से सम्बंधित प्रदर्शनी लगायी गई|

हिंदी प्रदर्शनी में हिंदी भाषा की विकास यात्रा को चार्ट, मॉडल, आदि विभिन्न माध्यम से प्रदर्शित किया गया जिसमे संस्कृत से लेकर ब्राह्मी, अपभ्रंश, पालि, लैटिन, बुन्देली आदि को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया | आगंतुको ने इस प्रदर्शनी को बहुत सराहा और ऐसे ही और प्रयास करने का आग्रह किया | इसी क्रम में एक बुन्देली शब्दकोश बनाने की संस्तुति की गई जिसके प्रयास जारी हैं|

इसके साथ ही जहाँ कला प्रदर्शनी ने अपनी मनमोहक कलाकृतियों से सभी मेहमानों का मन मोहा वहीँ विज्ञान प्रदर्शनी में ज्ञानोदय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अभिनव प्रयोगों द्वारा विज्ञान के विभिन्न मॉडल प्रदर्शित किये | सभी ने विद्यार्थियों की भूरि भूरि प्रशंसा की|

किस्सागोई गतिविधि

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यामंदिर विद्यालय में निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए अनेक गतिविधियाँ संपन्न होती हैं|

इसी क्रम में 23 नवंबर को कक्षा ९ के विभिन्न विभागों में किस्सागोई गतिविधि का आयोजन हुआ | इस गतिविधि में कक्षा ९ ब के ३६ विद्यार्थियों ने भाग लिया | जिसमे से वेद श्रीवास्तव प्रथम, यशवंत यादव द्वितीय एवं स्तुति दुबे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया | सर्वग्य पटेल एवं भूमि दांगी की प्रस्तुति भी सराहनीय रही| इस गतिविधि के प्रभारी डॉ कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव थे|

खजाने की ख़ोज

दिनांक – 23 नवंबर 2023, गुरूवार को खजाने की ख़ोज गतिविधि का आयोजन किया गया यह प्रतियोगिता ज्ञानोदय स्कूल में सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गई | जिसमे कक्षा 3 से 5 तक के 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया | सदन शिक्षिका द्वारा अंतिम रूप से प्रत्येक सदन से 5-5 विद्यार्थियों का तार्किक क्षमता के आधार पर चयन किया गया | यह प्रतियोगिता ग्रीनलैंड से प्रारंभ की गई, पहला संकेत उपप्राचार्य एवं समन्वयक द्वारा दिया गया | इसके बाद आगे के संकेत विद्यार्थियों ने स्वयं से ख़ोज निकाले|

इस प्रतियोगिता का उद्देश सामान्य ज्ञान को प्रोत्साहित करना था| साथ ही प्रतिभागियों की तार्किकता और मन: प्रेरक कुशलता का विकास करना था | प्रतिभागियों में नेतृत्व एवं सामूहिक कार्य करने की क्षमता का विकास हुआ|
प्रतियोगिता में लक्ष्मी बाई सदन विजेता रहा | इस गतिविधि की प्रभारी सुश्री खुशबू मंसूरी थीं|

कैनवा के साथ डिज़ाइन करें गतिविधि

"कैनवा के साथ डिज़ाइन करें" गतिविधि, जो 21 नवम्बर, 2023 को ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय में आयोजित हुई, ने सृष्टिशील डिजिटल डिज़ाइन के माध्यम से गुरु नानक जयंती की स्मृति को मनाया । श्री विशाल कटारे के मार्गदर्शन में, छात्रों ने कैनवा प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके गुरु नानक जी की शिक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाले दृश्यांक बनाने का प्रयास किया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य यह था कि छात्रों के बीच गुरु नानक के दर्शन के प्रति गहरी समझ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक को पारंपरिक मूल्यों के साथ मिलाया जाए।

इस गतिविधि में छात्रों ने ग्राफिक डिज़ाइन टूल्स में कुशलता दिखाई, जिसने उनके डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया। प्रतिभागियों ने पोस्टर, प्रस्तुतियाँ, और डिजिटल कला बनाकर रचनात्मकता का प्रदर्शन किया | इस गतिविधि के माध्यम से उच्च सांस्कृतिक जागरूकता का समर्थन किया गया और विविधता तथा गुरु नानक जयंती के महत्व के प्रति आदर प्रदर्शित किया | इस गतिविधि में टैगोर हाउस ने प्रथम, विवेकानंद हाउस ने द्वितीय एवं लक्ष्मी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | सरोजिनी हाउस ९४ अंक के साथ चतुर्थ स्थान पर रहा|
इस गतिविधि में निर्णायक की भूमिका श्रीमती दीपा अग्रवाल एवं श्री विशाल जैन ने निभाई|

गति उन्माद गतिविधि

दिनांक: 21 नवंबर 2023, मंगलवार को गति उन्माद गतिविधि का आयोजन किया गया|

इस गतिविधि ने चयनित कक्षा 6 और 7 के कुछ छात्रों की प्रतिभाएँ प्रदर्शित की, जिनमें से 40 प्रतिभागी चयन दौर से आगे बढ़े। 21 नवंबर को आयोजित अंतिम दौर में, प्रत्येक हाउस से दस-दस छात्र में प्रतिस्पर्धा हुई, जहाँ कक्षा 6 ने प्रदूषण के विषय में खोज की, जबकि कक्षा 7 ने बढ़ते वैश्विक तापमान की चुनौतियों का अन्वेषण किया।

प्रस्तुतियाँ पाँच मापों - सामग्री, वस्तु स्थान, एनीमेशन, रंग, और सामग्री की सामान्य प्रभावमूलकता पर सूक्ष्मता से मूल्यांकित की गईं | यह रुचिकर कार्यक्रम ने, न केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान किया, बल्कि इन मुद्दों के बारे में जागरूकता और ज्ञान को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान किया।

इस गतिविधि का उद्देश्य भाग लेने वाले छात्रों के बीच पर्यावरण से संबंधित मुद्दों के प्रति जागरूकता और समझ पैदा करना था। इसने उनके रचनात्मक और प्रस्तुति कौशलों को प्रदर्शित किया, प्रभावी संवाद के माध्यम से प्रदूषण और वैश्विक उच्चताप का समाधान करने के महत्व पर जोर दिया। इस अंतरसदनीय प्रतियोगिता में सरोजिनी सदन विजयी रहा | इस गतिविधि में निर्णायक की भूमिका सुश्री नवनी श्रीवास्तव, सुश्री अनुजा मोदी एवं सुश्री कामाक्षी सिंह राठौड़ ने निभाई|

अंतरसदनीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता

ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल के वॉलीबॉल कोर्ट में २५ नवम्बर, २०२३ को अंतर सदनीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | जिसने हमारे छात्रों में नेतृत्व, टीम स्पिरिट, खेलकूदी साहस के गुणों को बढ़ावा देने में एक शानदार सफलता हासिल की है।

इस प्रतियोगिता में सीनियर बॉयज श्रेणी में लक्ष्मी सदन, जूनियर बॉयज श्रेणी: में टैगोर सदन सीनियर गर्ल्स श्रेणी में विवेकानंद सदन और जूनियर गर्ल्स श्रेणी में सरोजिनी सदन विजयी रहा|
इस प्रतियोगिता ने हमारे छात्रों की समर्पण और खेलकूदी साहस को प्रदर्शित किया। प्रत्येक सदन ने सराहनीय टीमवर्क और उत्साह का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम की समग्र सफलता में योगदान हुआ। इस प्रतियोगिता में परिचालन अधिकारी श्री अमित यादव एवं क्रियाशील अधिकारी श्री त्रिलोक सिंह थे|

अंतरसदनीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यामंदिर में दिनांक- 25 नवम्बर 2023, शनिवार को प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक अंतरसदनीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया|

यह एक जीवंत गतिविधि थी जिसने छात्रों को उत्साही मैचों के लिए एक सूत्र में पिरोया | प्रतियोगिता का प्राथमिक लक्ष्य नेतृत्व क्षमता का विकास करना, टीम वर्क, खेल कौशल को बढ़ावा देना और बढ़ाना एवं छात्रों के बीच खुशहाली और विद्यार्थियों के समग्र विकास में योगदान देना है इस कार्यक्रम के निर्णायक श्री अकील खान थे|

साहित्यिकी

विद्यार्थी कोना

जीवन का लक्ष्य

हमारे जीवन में सबसे श्रेष्ठ एवं महत्त्वपूर्ण चीज़ होती है - लक्ष्य | हमारा जीवन तीन अवस्था से होकर गुज़रता है | पहली बाल अवस्था, जो हम खेल कूद में निकाल देते हैं | दूसरी, युवा अवस्था, जो तीन अवस्थाओं में सबसे महत्त्वपूर्ण होती है | इस अवस्था में लोग अपने जीवन जीने का स्वरुप प्राप्त कर लेते हैं | यह अवस्था जीवन जीने को स्वर्ग भी बना सकती है और नरक भी | इस अवस्था में युवा या तो पढाई पर ध्यान देते हैं तो उसके जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने में सहायक होता है या समय की बर्बादी करते हैं, जो जीवन में लक्ष्य से भटकाता है | इसके बाद जो युवा अवस्था में मेहनत करते हैं तो वे अवश्य ही तीसरी अवस्था वृद्धावस्था में सफल होकर चैन की ज़िन्दगी जीते हैं और इसके विपरीत जो युवा अवस्था में मेहनत नहीं करते तो उनको वृद्धावस्था में मेहनत करनी पड़ती है | हमें हमेशा अपना जीवन इस प्रकार से देखना चाहिए - पहले हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, उसे हासिल कैसे करें यह सोचना चाहिए | इसके बाद अपने परिवार पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि मुश्किल घडी में सबसे पहले परिवार वाले ही साथ देते हैं | इसके बाद दोस्त और अन्य कार्यों पर ध्यान देना चाहिए | हमें हमेशा अपने लक्ष्य के बारे में सोचना चाहिए कि किस प्रकार हम अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं और अपना जीवन सफल बना सकते हैं |

-अमन जैन कक्षा 12 आर्ट्स

ज़िन्दगी

समझ से परे हैं
ज़िन्दगी के रास्ते
कभी बाधाओं से भरे
तो कभी फूलों सी महक लिए रास्ते
मंजिल पर जाने के लिए
जब जब सोचा और गढ़ा
अगले ही दिन बदल दिए ज़िन्दगी ने रास्ते
मन में आता है कि जब सब कुछ पहले से नियत है
तो क्यों बनाने हैं रास्ते
चल पड़ें जैसे ज़िन्दगी चलाए
बन जाएं जैसी नियति बनाए
पर गीता का कर्म सिद्धांत गलत तो नहीं होगा
यही सोचकर
बढती हूँ आगे
ज़िन्दगी के पथ पर
ज़िन्दगी के बास्ते |

-ऋषिका श्रीवास्तव कक्षा ११ स

सपने

तुम्हारे सारे सपने तुमको मिलेंगे,
एक दिन यहां पर भी फूल खिलेंगे।
नामुमकिन कुछ भी नहीं,
इस पूरे संसार में।
जो चाहे वो कर सकता है,
अगर आत्मविश्वास हो इंसान में।
इच्छाशक्ति तुम जगाओ,
कुछ करने की हिम्मत दिखाओ।
यश मिलेगा तुमको इस संसार में,
जो चाहे वो कर सकता है,
अगर आत्मविश्वास हो इंसान में।

- मान्या सिंह बिसेन कक्षा ७ स

नज़रिया

क्यों तोड़ना चाहते हो,
उस एक ललित गुलाब को?
है कसूर उसका की, लुभावनी पंखुड़ियां सखे?
या हैं ये आँखे कसुरदार, जो संभल ना सके?
काँटे बोकर जमीं से गुलाब माँगते हो,
और काँटों से यूँ नफरत रखे,
तो फूल से क्या ही प्यार माँगते हो?
रे नज़र न लगाओ, नज़र फेरने वालों,
गुलाब हक में नहीं, मालिन नज़रे वालों,
एक नज़र उस मन पर भी डालो ज़रा,
फूलों, या काँटों से है भरा?
रे भर लो मन फूलों से, साथ उन दूषित आँखों को,
वरना चुभेंगें काँटे, उन धूमिल आँखों को,

-ओम गौर कक्षा १० स

छोटा भाई

मेरे छोटे भाई का प्यारा सा मुस्कराता हुआ चेहरा छोटा भाई के साथ बिताया हुआ मेरा सबसे प्यारा वक्त | बात-बात पर लड़ना फिर कुछ समय बाद साथ में खेलने लगना | छोटे भाई के संग जीना यही है अनमोल यारी की निशानी | उसकी आधी अधूरी बात हमें भावुक करती है | उसे माँ की डाट खाने के बाद बहुत चिढाते थे हम | मुसीबत में हर वक्त साथ होता है मेरा छोटा भाई | छोटे भाई के बिना बड़े भाई की अधूरी कहानी है | बड़े होकर याद करेंगे, वो पल जो हमने साथ-साथ गुज़ारे, वे बचपन में छोटे भाई के साथ बिताए हुए खूबसूरत यादें, वे भावनाओं की उमंग, छोटे भाई से हमारा रिश्ता, वह अनोखा सम्बन्ध सचमुच भुलाया नहीं जा सकता | कभी नहीं, कभी भी नहीं |

-अमन सेन कक्षा १० द

शिक्षक कोना

दीपावली का आध्यात्मिक महत्व

ठंड का मौसम आ रहा है, बारिश की तेजी लगभग कम हो रही है। यह समय भारत में किसानों, पर्यटकों, और आध्यात्मिक लोगों के लिए विशेष है। इसमें से एक त्योहार है दीपावली, प्रकाश का त्योहार। इसे दशहरा के दिन धर्म के जीत की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन, मर्यादा पुरुष राजा राम ने फिर से अयोध्या में राज्य करना शुरू किया। इसके विभिन्न आध्यात्मिक महत्त्व हैं:

१.एक मोमबत्ती से दूसरी मोमबत्तियाँ जलती हैं, इसका मतलब है कि शिक्षा व्यक्ति से व्यक्ति तक फैलती है।

2.हम नए खाता बनाते हैं, इसका मतलब है कि हम अपने जीवन को पिछले खाते का खंडन करके बदल सकते हैं।

३.हम स्वस्तिक लिखते हैं, इसका मतलब है कि समय का चक्र शक्तिशाली है। स्वस्तिक सोने से लेकर लोहे के युग के समय चक्र के बारे में बताता है।

४.हम मिठाई बाँटते हैं, इसका मतलब है कि समाज में समर्थन सिर्फ तब हो सकता है जब हम दूसरों के प्रति मीठा (सहिष्णु) रहेंगे।

५.दीपावली के एक दिन पहले नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है, इसका अर्थ है कि बुरे दिनों के बाद जीवन में अच्छे दिन आएंगे।

६.धनतेरस के दिन हम धन्वंतरि की पूजा करते हैं, इसका मतलब है कि एक हाथ में किताब है और दूसरे हाथ में पवित्र (अमृत) है। ज्ञान आत्मा को शाश्वत, निर्दुःखी बनाता है। ज्ञान मुक्ति का आधार है।

त्योहार को प्रदूषण मुक्त और स्वास्थ्य के लाभ के लिए सतत बनाए रखना चाहिए और इसे आनंद का हिस्सा बनाना चाहिए।

-निराकार पटनायक (शिक्षक)

भाषा की सीमाएं

भाषा की कोई सीमा नहीं होती
सीमाएं होती हैं सिर्फ विचारों की
भाषा लांघ जाती है समुद्र नभ धरा
रह जाते हैं विचार केवल सीमा के तारों के पीछे
भाषाओं ने उकसा है विचारों के आचरण को
माना कि विचारों ने लोगों को श्रेष्ठ बनाया
भाषाओं ने ग्रंथो में उपन्यास में श्रेष्ठता प्रदान की
भाषा की सीमाओं को मानने वाले विचारों से बंधे है
वे विचार जो किसी एक भाषा तक ही सीमित है |

-सलिल जैन (शिक्षक)

अन्य स्तम्भ

व्यक्ति विशेष - अज्ञेय

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (7 मार्च, 1911 - 4 अप्रैल, 1987) हिंदी में अपने समय के सबसे चर्चित कवि, कथाकार, निबन्धकार, पत्रकार, सम्पादक, यायावर, अध्यापक रहे हैं। इनका जन्म 7 मार्च 1911 को उत्तर प्रदेश के कसया, पुरातत्व-खुदाई शिविर में हुआ। बचपन लखनऊ, कश्मीर, बिहार और मद्रास में बीता। बी.एससी. करके अंग्रेजी में एम.ए. करते समय क्रांतिकारी आन्दोलन से जुड़कर बम बनाते हुए पकड़े गये और वहाँ से फरार भी हो गए। सन्1930 ई. के अन्त में पकड़ लिये गये। अज्ञेय प्रयोगवाद एवं नई कविता को साहित्य जगत में प्रतिष्ठित करने वाले कवि हैं। अनेक जापानी हाइकु कविताओं का अज्ञेय ने अनुवाद किया। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और प्रखर कवि होने के साथ साथ अज्ञेय की फोटोग्राफ़ी भी बहुत अच्छी थी और यायावरी तो शायद उनको दैव-प्रदत्त ही थी।

प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा पिता की देख रेख में घर पर ही संस्कृत, फारसी, अंग्रेजी और बांग्ला भाषा व साहित्य के अध्ययन के साथ हुई। 1925 में पंजाब से एंट्रेंस की परीक्षा पास की और उसके बाद मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में दाखिल हुए। वहाँ से विज्ञान में इंटर की पढ़ाई पूरी कर 1927 में वे बी.एससी. करने के लिए लाहौर के फॅरमन कॉलेज के छात्र बने। 1929 में बी. एससी. करने के बाद एम.ए. में उन्होंने अंग्रेजी विषय लिया; पर क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने के कारण पढ़ाई पूरी न हो सकी। 1930 से 1936 तक विभिन्न जेलों में कटे। 1936-37 में सैनिक और विशाल भारत नामक पत्रिकाओं का संपादन किया। 1943 से 1946 तक ब्रिटिश सेना में रहे; इसके बाद इलाहाबाद से प्रतीक नामक पत्रिका निकाली और ऑल इंडिया रेडियो की नौकरी स्वीकार की। देश-विदेश की यात्राएं कीं। जिसमें उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से लेकर जोधपुर विश्वविद्यालय तक में अध्यापन का काम किया। दिल्ली लौटे और दिनमान साप्ताहिक, नवभारत टाइम्स, अंग्रेजी पत्र वाक् और एवरीमैंस जैसी प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया। 1980 में उन्होंने वत्सलनिधि नामक एक न्यास की स्थापना की जिसका उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करना था। दिल्ली में ही 4 अप्रैल 1987 को उनकी मृत्यु हुई। 1964 में आँगन के पार द्वार पर उन्हें साहित्य अकादमी का पुरस्कार प्राप्त हुआ और 1978 में कितनी नावों में कितनी बार पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार।

इनकी प्रमुख कृतियों में कविता संग्रह:- भग्नदूत-1933, चिन्ता-1942, इत्यलम्-1946, हरी घास पर क्षण भर-1949।

कहानियाँ:- विपथगा 1937 परम्परा 1944 कोठरी की बात 1945 शरणार्थी 1948 जयदोल 1951, उपन्यास - शेखर एक जीवनी- प्रथम भाग(उत्थान)1941 द्वितीय भाग (संघर्ष) 1944 यात्रा वृतान्त:- अरे यायावर रहेगा याद? 1953 एक बूँद सहसा उछली 1960 आदि प्रमुख थीं|

हिंदी साहित्य में इस अनूठे यायावर को हमेशा याद किया जाता रहेगा|

(विकिपीडिया से साभार)

ज्ञानेन पुंसां सकलार्थ सिद्धि :

संपादक संरक्षक - प्राचार्य,
ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई

मुख्य संपादक - डॉ. कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव

छात्र संपादक - अर्हम जैन

सहयोग - हिंदी विभाग

तकनीकी सहायता - श्री विशाल कटारे एवं तकनीकी विभाग

छायांकन - श्री प्रशांत सील एवं विद्यार्थी

www.facebook.com/gyanodayakhurai
gyanodayaprincipal@gmail.com
www.gyanodayakhurai.org
youtube.com/UC_7RhrC1nipjZTanSKoEVEA
gyanodayakhurai/9826829441
gyanodayacampuscare.in
Gyanodaya khurai
9826829441, 07581-292149,292154

अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु क्यू आर को स्केन करें|

ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई, सागर (म.प्र.)